Alleged irregularities in the construction of Agatti Airstrip

2345. SHRI MOHINDER SINGH LATHER:

SHRI VIRENDRA VERMA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the construction of the Agatti airstrip at Lakshadweep has resulted in a huge lost due to the irregularities in the award of contract and manipulation by cretain officials of the International Airports Authority of India;

(b) if so, what is the total loss suffered by the IAAI on the construction of the airstrip; and

(c) what is the outcome of the inquiry, if any, made by Government into the causes for the loss and the alleged involvement of the officials of the IAAI stating the action taken/proposed to be taken by Government in the Matter?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) No, Sir. The project was executed by IAAI at an overall cost of Rs. 6.61 crores against the estimated cost of Rs. 692 crores through N.B.C.C., which is a Government of India undertaking.

(b) and (c) Do not arise in view of (a) above.

गुना-इटावा के बीच रेल लाइन

2346. **श्री अजीत जोगी :**

श्री पप्पी माझी :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुना से इटावा के बीच नई रेल लाइन बिछाये जाने के प्रस्ताव पर सरकार कब से विचार कर रही है और इस प्रस्ताव का अनुमोदन कब किया गया था;

(ख) गुना-इटावा और इदौर-गोहद के बीच रेल लाइनें बिछाये जाने के प्रस्ताव रेल मंत्रालय और योजना आयोग के समक्ष कब से लम्बित है; और

(ग) क्या इन रेल लाइनों के लिए अनुमोदन देते समय क्षेत्रीय असंतुलन और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के सभी पहलुओं पर पूरी तरह से विचार नहीं किया जाता ?

रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री महावीर प्रसाद) : (क) यह प्रस्ताव 1980 से विचाराधीन था और 1985-86 में अनुमोदित किया गया था।

(ख) गुना-इटावा नयी लाइन का प्रस्ताव फरवरी, 1985 में और दाहोद इदौर का जुलाई, 1986 में योजना आयोग को भेजा गया था।

(ग) नयी लाइन परियोजनाएं सामान्यतः यातायात आवश्यकताओं पर विचार के बाद अनुमोदित की जाती हैं।

जबलपुर-गोंदिया रेल लाइन का बदला जाना

2347. **श्री अजीत जोगी :**

श्रीमती रत्न कुमारी :

क्या रेल मंत्री 30 नवम्बर, 1988 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 2294 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जबलपुर-गोंदिया मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदले जाने के सम्बन्ध में किया गया पुनःमूल्यांकन सर्वेक्षण पूरा हो गया है और सरकार द्वारा रिपोर्ट की जांच कर ली है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या निष्कर्ष रहे;

(ग) उक्त परियोजना को कब तक स्वीकृति दे दिये जाने की सम्भावना है; और